This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. 2019

(15)

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY JC Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **2895**

Unique Paper Code : **12131501**

Name of the Paper : **Vedic Literature**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (Core) CBCS**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

खण्ड 'क' (Section A)

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

Explain the following Mantras :

(क) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव। सचस्वा नः स्वस्तये॥

अथवा/*Or*

य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(ख) ऋतावरी दिवो अर्कैरबोध्या रेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्न उषसं विभातीं वाममेषि द्रविणं भिक्षमाणः॥

अथवा/*Or*

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन् मा स्वसारमुत स्वसा।
सम्यञ्चः सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया॥

2. निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 7

Explain the following Mantra in **Sanskrit** :

समानी प्रपा सह वोऽन्नभागः समाने योक्त्रे सह वो युनज्मि।
सम्यञ्चोऽग्निं सपर्यतारा नाभिमिवाभितः॥

अथवा/*Or*

जाया तप्यते कितवस्य हीना माता पुत्रस्य चरतः क्व स्वित्।
ऋणावा बिभ्यद्धनमिच्छमानोऽन्येषामस्तमुप नक्तमेति॥

3. शिवसंकल्प सूक्त में वर्णित मन के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10

Describe the Mana according to Śivasaṃkalpa Sūkta.

अथवा/*Or*

हिरण्यगर्भ सूक्त की विषयवस्तु का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

Describe the subject matter of Hiraṇyagarbha Sūkta in your own words.

खण्ड 'ख' (Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×5=10

(क) आश्रित स्वरित

(ख) वैदिक तुमर्थक प्रत्यय

(ग) लेट् लकार।

Write notes on any *two* of the following :

(*a*) Āshrita Svarita

(*b*) Vaidika Tumarthaka Pratyaya

(*c*) Leṭ lakāra.

5. प्रश्न संख्या 1 में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। 6

Render into Padapātha any *one* of the mantras from the Question No. **1**.

अथवा/*Or*

पदपाठ के किन्हीं **छः** नियमों का वर्णन कीजिए।

Write any *six* rules of Padapātha.

खण्ड 'ग' (Section C)

6. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 2×8=16

Explain the following Mantras :

(क) भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यते सर्वसंशयाः।

क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे॥

अथवा/*Or*

प्लवा ह्येते अदृढा यज्ञरूपा अष्टादशोक्तमवरं येषु कर्म।

एतच्छ्रेयो येऽभिनन्दन्ति मूढा जरामृत्युं ते पुनरेवापि यन्ति॥

(ख) धनुर्गृहीत्वैवोपनिषदं महास्त्रं शरं ह्युपाशानिशितं सन्धयीत।

आयम्य तद्भावगतेन चेतसा लक्ष्यं तदेवाक्षरं सोम्य विद्धि॥

अथवा/*Or*

यथा नद्यः स्यन्दमानाः समुद्रेऽस्तं गच्छति नामरूपे विहाय।

तथा विद्वान् नामरूपाद् विमुक्तः परात् परं पुरुषमुपैति दिव्यम्॥

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा एवं अपरा विद्या का वर्णन कीजिए। 10

Explain Parā and Aparā Vidyā on the basis of Muṇḍakopaniṣad.

अथवा/*Or*

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजए।

Explain the nature of Brahma according to Muṇḍakopaniṣad.

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No. | | | | | | | |2|0|1|9|

(16)

S. No. of Question Paper : **2919**

DESHBANDHU COLLEGE
JC
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Unique Paper Code : **12131502**

Name of the Paper : **Sanskrit Grammar**

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit CBCS**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Answer *All* questions.

भाग-'क'/Section-'A'

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** संज्ञाओं का सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रयोजन स्पष्ट कीजिये : 3×2=6

Explain with Sutras any *three* of the following Sanjnas :

गुण, पद, संहिता, अनुनासिक, संयोग

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वर्णों के उच्चारण स्थान एवं आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : 2×2=4

Write स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any *two* of the following :

क्, ञ्, ड्, ऋ, श्

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 4×1=4

Write letters of any *four* of the following pratyaharas :

अट्, हश्, यण्, जश्, शल्, झय्

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 2×3=6

Explain any *two* of the following Sutras :

यथासंख्यमनुदेशः समानाम्, विप्रतिषेधे परं कार्यम्, हलन्त्यम्, तपरस्तत्कालस्य

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि कीजिए : 3×2=6

Join the Sndhis in any *three* of the following with mention relevant sutras :

महा+ऋषिः , सुधी+उपास्यः, हरे+अव, तत्+टीका, तत्+मात्रम्, रामः+आगच्छति

(ग) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **तीन** में प्रमुख सूत्र का निर्देश करते हुए विच्छेद कीजिए : 3×2=6

Disjoin any *three* of the following words with mention main sutra :

हरये, रामष्टीकते, प्राच्र्छति, भो देवाः, हरिश्शेते, शम्भू राजते

(घ) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **तीन** में विच्छेद कीजिए : 3×1=3

Disjoin any *three* of the following words :

चैव, देहिनोऽस्मिन्, अजो नित्यः, संस्कारा प्राक्तनाः, त्वेव

भाग 'ख'/Section 'B'

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 4×2.5=10

Explain any *four* of the following Sutras with examples :

अव्ययीभावे चाकाले, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, उपपदमतिङ्, समर्थः पदविधिः, अनेकमन्यपदार्थे, षष्ठी

(ख) निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं **तीन** पदों का सूत्रोल्लेखपूर्वक विग्रह कीजिए : 3×3=9

Divulge any *three* of the following compound words with mention relevant Sutras :

कुपुरुषः, यूपदारु, घनश्यामः, पीताम्बरम् अधिगोपम्, पितरौ

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास कीजिए : 3×2=6

Compound any *three* of the following with relevant Sutras :

पञ्चानां गङ्गानां समाहारः, अग्निग्रन्थपर्यन्तम्, न ब्राह्मणः, वीराणि पुरुषाणि यस्मिन् सः, शिवश्च केशवश्च

भाग 'ग'/Section 'C'

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रकृति-प्रत्यय विभाग कीजिए : 3×2=6

Separate roots and suffixes in any *three* of the following words with relevant Sutras :

गृहीतः, धारकः, अनुकृत्य, वक्तुम्, उषित्वा, पचन्तम्

(ख) निम्नलिखित धातुओं एवं प्रत्ययों में से किन्हीं **दो** को सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्ध कीजिए : 2×2=4

Join root and suffixes in any *two* of the following mentioning relevant sutras :

भिद्+तव्यत्, छिद्+तुमुन्, कृ+तृच्, सृज्+क्त

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 2×2.5=5

Explain any *two* of the following Sutras with examples :

ईद्यति, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, कर्तरि कृत्, निष्ठा

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

S. No. of Question Paper : **3055** (17)

Unique Paper Code : **12137902** JC

Name of the Paper : **Art of Balanced Living**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS : DSE**

Semester : **V**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section 'A'/खण्ड 'अ'

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन– 'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति' को स्पष्ट कीजिए। 10

Explain this statement -'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया

P.T.O.

भवति' of Yājñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada..

अथवा/*Or*

श्रवण और मनन आत्मोत्कर्ष में किस प्रकार सहायक है? बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

How Śravaṇa and Manana are helpful for Self-realization? Explain it on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

भाग 'ख'/(Section B)

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

Explain the following :

(अ) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।

अथवा/*Or*

मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम्।

(आ) शौचसन्तोषतपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः।

अथवा/*Or*

देशबन्धश्चित्तस्य धारणा।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3=15

Write short notes any *three* of the following :

(क) करुणा

(ख) वैराग्य

(ग) अपरिग्रह

(घ) अहिंसा

(ङ) समाधि।

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : 6×4=24

Explain the following :

(क) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येदकर्मणः।।

अथवा/*Or*

सहयज्ञाः प्रजाः सृष्ट्वा पुरोवाच प्रजापतिः।
अनेन प्रसविष्यध्वमेष वोऽस्त्विष्टकामधुक्।।

(ख) शनैः शनैरुपरमेद्बुद्ध्या धृतिगृहीतया।

आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किंचिदपि चिन्तयेत्।।

अथवा/*Or*

आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन।

सुखं वा यदि वा दुःखं स योगी परमो गतः।।

(ग) रसोऽहमप्सु कौन्तेय प्रभास्मि शशिसूर्ययोः।

प्रणवः सर्ववेदेषु शब्दः खे पौरुषं नृषु।।

अथवा/*Or*

मय्यासक्तमनाः पार्थ योगं युंजन्मदाश्रयः।

असंशयं समग्रं मां यथा ज्ञास्यसि तच्छृणु।।

(घ) अथ चित्तं समाधातुं न शक्नोषि मयि स्थिरम्।

अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुं धनन्जय।

अथवा/*Or*

ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि सन्न्यस्य मत्पराः।

अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते।।

भाग 'ग' (Section 'C')

5. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 10

Describe the importance of Karma-Yoga for balanced living on basis of Gitā.

अथवा/*Or*

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ध्यान-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on basis of Gitā.

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY JC Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **3055**

Unique Paper Code : **12137902**

Name of the Paper : **Art of Balanced Living**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS : DSE**

Semester : **V**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section 'A'/खण्ड 'अ'

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन– 'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया भवति' को स्पष्ट कीजिए। 10

Explain this statement -'न वा अरे जायायै कामाय जाया प्रिया

भवति' of Yajñavalkya on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada..

अथवा/*Or*

श्रवण और मनन आत्मोत्कर्ष में किस प्रकार सहायक है? बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

How Śravaṇa and Manana are helpful for Self-realization? Explain it on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣada.

भाग 'ख'/(Section B)

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

Explain the following :

(अ) योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।

अथवा/*Or*

मैत्रीकरुणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित्तप्रसादनम्।

(आ) शौचसन्तोषतपःस्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि नियमाः।

अथवा/*Or*

देशबन्धश्चित्तस्य धारणा।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3=

Write short notes any *three* of the following :

(क) करुणा

(ख) वैराग्य

(ग) अपरिग्रह

(घ) अहिंसा

(ङ) समाधि।

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए : 6×4=

Explain the following :

(क) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येदकर्मणः।।

अथवा/*Or*

सहयज्ञाः प्रजाः सृष्ट्वा पुरोवाच प्रजापतिः।

अनेन प्रसविष्यध्वमेष वोऽस्त्विष्टकामधुक्।।

(ख) शनैः शनैरुपरमेद्बुद्ध्या धृतिगृहीतया।

आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किंचिदपि चिन्तयेत्।।

अथवा/*Or*

आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन।

सुखं वा यदि वा दुःखं स योगी परमो गतः।।

(ग) रसोऽहमप्सु कौन्तेय प्रभास्मि शशिसूर्ययोः।

प्रणवः सर्ववेदेषु शब्दः खे पौरुषं नृषु।।

अथवा/*Or*

मय्यासक्तमनाः पार्थ योगं युंजन्मदाश्रयः।

असंशयं समग्रं मां यथा ज्ञास्यसि तच्छृणु।।

(घ) अथ चित्तं समाधातुं न शक्नोषि मयि स्थिरम्।

अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुं धनन्जय।

अथवा/*Or*

ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि सन्न्यस्य मत्पराः।

अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते।।

भाग 'ग' (Section 'C')

5. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' उपयोगिता का वर्णन कीजिए। 10

Describe the importance of Karma-Yoga for balanced living on basis of Gitā.

अथवा/*Or*

गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'ध्यान-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on basis of Gitā.

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

(19)

DESHBANDHU COLLEGE
JC
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **3056**

Unique Paper Code : **12137903**

Name of the Paper : **Theatre and Dramaturgy**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit—CBCS (DSE-3)**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. नाट्यमण्डप के लिए भूमि शोधन एवं मापन की विधि का विवेचन कीजिए। 15

Discuss the process of land purification and measurement for making theatre.

2. रूपक को परिभाषित करते हुए इसके विविध नामों के औचित्य पर प्रकाश डालिए। 15

Define the *Roopaka* and justify its various names.

3. रस क्या है ? रस के विविध तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

What is Rasa ? Explain the various ingredients of Rasa.

4. कथावस्तु क्या है ? स्रोत के आधार पर कथावस्तु के भेद बताइये। 15

What is the plot ? Explain the plot on the basis of their source.

5. नेता की विविध विशेषताओं का वर्णन कीजिए। नेता की **चार** अवस्थाएँ कौन-कौनसी हैं ? 15

Describe the various attributes of Hero. What are *four* stages of the Hero.

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिए। 15

Discuss the development of theatre in different ages.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का विस्तार से वर्णन कीजिए : 15

Explain any *three* of the following in detail :

प्रतिनायक, मन की चार अवस्थाएँ, कोर्ट थियेटर, नियतश्राव्य, धीरललित

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | |2|0|1|9|

(20)

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
JC
Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **3222**

Unique Paper Code : **12137903**

Name of the Paper : **Theatre and Dramaturgy**

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit CBCS–DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwide required in questions, answer should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत **या** अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में लिखिए। लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।

1. नाट्यमण्डप के विविध प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। 15

Describe in detail the different types of theatre.

P.T.O.

2. अभिनय के महत्त्व को बताते हुए विविध प्रकार के अभिनयों का वर्णन कीजिये। 15

Describing the importance of acting elucidate the various types of acting.

3. रस क्या है? रस के विविध अवयवों का विवेचन कीजिये। 15

What is Rasa ? Explain the various constituents of Rasa.

4. कथावस्तु क्या है? कथावस्तु के प्रसंग में कार्यावस्था का वर्णन कीजिये। 15

What is the plot in a drama ? Explain कार्यावस्था in reference to the plot.

5. नेता की विविध विशेषताएँ क्या-क्या हैं? नेता के विविध प्रकारों का विवेचन कीजिये। 15

What are the various attributes of Hero ? Discuss different kinds of Hero.

6. विविध कालों में रंगमंच के विकास का प्रतिपादन कीजिये। 15

Discuss the development of theatre in different ages.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का विस्तार से वर्णन कीजिये : 15

Explain any *three* of the following in detail :

(*i*) मत्तवारिणी

(*ii*) आधुनिक नाट्यमण्डप

(*iii*) विदूषक

(*iv*) आकाशभाषित

(*v*) धीरललित।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | 2 | 0 | 1 | 9 |

(21)

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : 3227

Unique Paper Code : 12137908 JC

Name of the Paper : **Fundamentals of Āyurveda**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit CBCS : DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer *All* questions as per the given instructions.

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिये।

P.T.O.

1. वेदों में आयुर्वेद का वर्णन कीजिए। 15

Write a comprehensive note on '**Āyurveda in theVedas**'.

2. आयुर्वेद के प्रमुख आचार्यों का नामोल्लेख करते हुए उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए। 15

Explain the contributions of prominent Āchāryas by Āyurveda by mentioning their names.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7.5×2=15

(*i*) चरक-संहिता

(*ii*) सुश्रुत-संहिता

(*iii*) अग्निवेश

(*iv*) धन्वन्तरि

Write short notes on any *two* of the following topics :

(*i*) Carakasaṁhitā

(*ii*) Suśrutasaṁhitā

(*iii*) Agniveśa

(*iv*) Dhanvantari

3. आयुर्वेद के अनुसार हेमन्त ऋतु का विस्तृत वर्णन कीजिए। 15

Write a comprehensive note on Hemanta **Ṛtu** according to Āyurveda.

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7.5×2=15

(*i*) शरद् ऋतु

(*ii*) वर्षा ऋतु

(*iii*) शिशिर ऋतु

(*iv*) वसन्त ऋतु

Write short notes on any *two* of the following topics :

(*i*) Śarad Ṛtu

(*ii*) Varṣā Ṛtu

(*iii*) Śiśira Ṛtu

(*iv*) Vasanta Ṛtu

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के आधार पर 'पञ्चकोश' की आयुर्वेदिक उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए। 15

Define the Āyurvedic utility of the 'Panchakośa' on the basis of Bhriguvallī of Taittirīyopaniṣad.